



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 290]

नई दिल्ली, शनिवार, नवम्बर 17, 1990/कार्तिक 26, 1912

No. 290] NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 17, 1990/KARTIKA 26, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

कार्मिक, लोक शिक्षा तथा पेंशन मंत्रालय

(कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)

नियम

नई दिल्ली, 17 नवम्बर, 1990

स. 6/4/90-के.से.(1).—निम्नलिखित सेवाओं पक्षों में रिक्तियों को  
भरने के प्रयोजन के लिए वर्ष 1991 में कर्मचारी चयन आयोग द्वारा  
सहायक ग्रेड परीक्षा, 1989 के लिए दी जाने वाली प्रतियोगिता परीक्षा  
नियम आम जानकारी के लिए प्रकाशित किए जा रहे हैं:—

1. भारतीय विदेश सेवा (ख) के सामान्य संवर्ग का ग्रेड-4 (सहायक),
2. रेलवे बोर्ड सचिवालय सेवा का सहायक ग्रेड,
3. केन्द्रीय सचिवालय सेवा का सहायक ग्रेड,
4. सशस्त्र सेना मुख्यालय सिविल सेवा का सहायक ग्रेड, और
5. भारत सरकार के अन्य विभागों/संगठनों और संबद्ध कार्यालयों में सहा-  
यकों के पद जो भारतीय विदेश सेवा (ख) रेलवे बोर्ड सचिवालय  
सेवा/केन्द्रीय सचिवालय सेवा/सशस्त्र सेना मुख्यालय सिविल सेवा में  
सम्मिलित नहीं हैं।

1. कोई भी उम्मीदवार ऊपर की किसी एक या अधिक सेवाओं/पक्षों  
के लिए प्रतियोगिता में सम्मिलित हो सकता है।

2. परीक्षा के परिणामों के आक्षार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की  
संख्या आयोग द्वारा जारी नोटिस में बताई जाएगी। अनुसूचित जातियों  
तथा अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों के लिए पद सरकार द्वारा  
निर्दिष्ट रिक्तियों को देखते हुए आरक्षित रखे जाएंगे।

3. कर्मचारी चयन आयोग द्वारा यह परीक्षा इन नियम के  
परिशिष्ट-I में निर्धारित ढंग से ली जाएगी।

परीक्षा की तारीख और स्थान आयोग द्वारा निर्धारित किए जाएंगे।

4. उम्मीदवार को या तो—

- (क) भारत का नागरिक होना चाहिए, या वह
- (ख) नेपाल की प्रजा, या
- (ग) भूटान की प्रजा, या
- (घ) ऐसा तिब्बती शरणार्थी, जो भारत में स्थायी रूप से रहने की  
इच्छा से पड़ोसी जनवरी, 1962 से पहले भारत आ गया हो,  
या

(क) कोई भारत मूल का व्यक्ति जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका और कीनिया, उगांडा तथा तंजानिया संयुक्त गणराज्य (भूतपूर्व टंगानिका और जंजीबार) के पूर्वोष्णीका के देशों से या जंबिया, मलावी, जेरे और ह्वियोपिया और वियतनाम में आया हो।

परन्तु (ख), (ग), (घ) और (ङ) वर्गों के अंतर्गत आने वाले उम्मीदवार के पास भारत सरकार द्वारा जारी किया गया आप्रता (एन्जि-सिटी) प्रमाणपत्र होना चाहिए।

परीक्षा में ऐसे उम्मीदवार को भी, जिनके लिए आप्रता प्रमाणपत्र आवश्यक हो, परीक्षा में बैठने दिया जा सकता है, परन्तु उसे नियुक्ति प्रस्ताव भारत सरकार द्वारा आवश्यक प्रमाण-पत्र दिए जाने पर ही दिया जाएगा।

5. (क) इस परीक्षा में बैठने के लिए यह आवश्यक है कि 1 जनवरी, 1989 को उम्मीदवार की आयु पूरे 20 साल की हो चुकी हो किन्तु पूरे 25 वर्ष की आयु न हो, अर्थात् उसका जन्म 2 जनवरी, 1964 से पूर्व तथा 1 जनवरी, 1969 के बाद न हुआ हो।

(ख) भारत सरकार के विभिन्न विभागों/कार्यालयों तथा साथ में संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासकों के अधीन विभागों/कार्यालयों या चुनाव आयोग और केन्द्रीय संस्कृति आयोग के कार्यालयों या लोक सभा/राज्य सभा सचिवालय में कम से कम 3 वर्ष का लगातार तथा नियमित सेवा पञ्जीजनवरी, 1989 तक कर लेने वाले लोअर डिवीजन क्लर्क/अपर डिवीजन क्लर्क/स्टेनोग्राफर्स, ग्रेड ब के मामले में 30 वर्ष की आयु तक होल दी जा सकेगी।

ऐसे पदों पर कार्य कर रहे उम्मीदवार जिनका पदनाम लोअर डिवीजन क्लर्क/अपर डिवीजन क्लर्क/स्टेनोग्राफर्स ग्रेड "ब" नहीं, इस उप-नियम के अंतर्गत आयु में छूट पाने के पात्र नहीं होंगे, भले ही उनके द्वारा धारित पद समान बेतनमान से ही क्यों न हो।

(ग) ऊपर बताई गई अधिकतम आयु-सीमा में निम्नलिखित मामलों में और नील दी जा सकेगी :—

- यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो, तो अधिक-से-अधिक 5 वर्ष।
- यदि उम्मीदवार भूतपूर्व पाकिस्तान (अब बंगला देश) का वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में उसने भारत में प्रजनन किया हो, तो अधिक से अधिक तीन वर्ष।
- यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या किसी अनुसूचित जनजाति का हो तथा भूतपूर्व पाकिस्तान (अब बंगलादेश) का वास्तविक विस्थापित व्यक्ति भी हो और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में उसने भारत में प्रजनन किया हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष।
- यदि उम्मीदवार श्रीलंका से वास्तविक प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाला भारत-मूलक व्यक्ति हो और अक्टूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवंबर, 1964 को या उसके बाद उसने भारत में प्रजनन किया हो या करने वाला हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष।
- यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति का हो तो श्रीलंका से वास्तविक प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाला भारतमूलक व्यक्ति हो तथा अक्टूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवंबर, 1964 को या उसके बाद उसने भारत में प्रजनन किया हो या करने वाला हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष।

6. यदि उम्मीदवार बर्मा से वास्तविक प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो और उसने जून, 1963 को या उसके बाद भारत में प्रजनन किया हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष।

7. यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जाति जाति का हो और बर्मा से वास्तविक प्रत्यावर्तित भारतमूलक व्यक्ति हो तथा उसने 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत में प्रजनन किया हो तो अधिक-से-अधिक आठ वर्ष।

8. यदि उम्मीदवार भारत मूलक व्यक्ति हो और उसने कीनिया, उगांडा, तंजानिया संयुक्त गणराज्य (भूतपूर्व तंगानिका और जंजीबार) से प्रजनन किया हो, या जंबिया, मलावी, जेरे और ह्वियोपिया से प्रत्यावर्तित हो तो अधिक-से-अधिक तीन वर्ष।

9. यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति हो और भारत सरकार से वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति हो और कीनिया, उगांडा, या तंजानिया संयुक्त गणराज्य (भूतपूर्व तंगानिका और जंजीबार) से प्रवासित हो या जंबिया, मलावी, जेरे और ह्वियोपिया से भारत मूलक प्रत्यावर्तित व्यक्ति हो, तो अधिक-से-अधिक आठ वर्ष।

10. किसी दूसरे देश के साथ संघर्ष में या किसी आन्तर्-प्रस्थ क्षेत्र में फौजी कार्यवाही के दौरान विकलांग होने के फलस्वरूप सेवा से मुक्त किए गए रक्षा कार्मिकों को अधिक से अधिक 3 वर्ष।

11. किसी दूसरे देश के साथ संघर्ष में या किसी आन्तर्-प्रस्थ क्षेत्र में फौजी कार्यवाही के दौरान विकलांग होने के फलस्वरूप नियुक्त किए गए ऐसे रक्षा कार्मिकों के लिए जो अनुसूचित जाति या जनजाति के हों, तो अधिक-से-अधिक आठ वर्ष।

12. यदि कोई उम्मीदवार वास्तविक रूप से प्रत्यावर्तित भूतः भारतीय व्यक्ति हो (जिनके पास भारतीय परिपत्र हो) और ऐसा उम्मीदवार जिसके पास वियतनाम में भारतीय राजदूतावास द्वारा जारी किया गया आप्रता प्रमाणपत्र है और जो वियतनाम से जुलाई, 1975 से पहले भारत नहीं आया है, तो उसके लिए अधिक-से-अधिक तीन वर्ष।

13. यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो और वियतनाम से वस्तुतः प्रत्यावर्तित भारत-मूलक व्यक्ति हो (जिसके पास भारतीय परिपत्र हो) और ऐसा ही उम्मीदवार जिसके पास वियतनाम में भारतीय राजदूतावास द्वारा जारी किया गया आप्रता प्रमाणपत्र हो और जो वियतनाम से जुलाई, 1975 के बाद भारत आया हो, तो उसके लिए अधिक-से-अधिक आठ वर्ष तक।

14. जिन भूतपूर्व सैनिकों और कमीशन-प्राप्त अधिकारियों (आपातकालीन कमीशन-प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालिक सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित) ने 1 जनवरी, 1989 को कम-से-कम 5 वर्ष की सैनिक सेवा की है और जो (i) कबावार या अक्षमता के आधार पर बख्शित न होकर अन्य कारणों से कार्यकाल के समापन पर कार्य-मुक्त हुए हैं, इनमें से भी सम्मिलित हैं जिनका कार्यकाल आवेदन पत्र के प्रस्तुतिकरण के एक वर्ष के बाद पूरा होता है या (ii) सैनिक सेवा हुई शारीरिक अर्पणता या (iii) अक्षमता के कारण कार्यमुक्त हुए हैं उनके मामलों में अधिक-से-अधिक 5 वर्ष तक।

15. जिन भूतपूर्व सैनिकों और कमीशन प्राप्त अधिकारियों (प्राप्तकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित) ने 1 जनवरी, 1989 को कम से कम पांच वर्ष की सैनिक सेवा की है और जो कदाचित् या अक्षमता के आधार पर बर्खास्त न होकर अन्य कारणों से कार्यकाल के समापन पर कार्यमुक्त हुए हैं इनमें वे भी सम्मिलित हैं जिनका कार्यकाल आवेदन प्राप्त के प्रस्तुतीकरण के एक वर्ष के अंदर पूरा होता है या (2) दैनिक सेवा से छुई शारीरिक अपंगता या (3) अक्षमता के कारण कार्यमुक्त हुए हैं तथा जो अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों के हैं उनके मामलों में अधिक से अधिक दस वर्ष तक।
16. प्राप्तकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों के मामले में अधिकतम 5 वर्ष जितने 1 जनवरी, 1989 को सैनिक सेवा के 5 वर्षों की सेवा की प्रारंभिक अवधि पूरी कर ली है और उसके बाद सैनिक सेवा में रखे जाने हैं तथा जिनके मामलों में रक्षा मंत्रालय को एक प्रमाण पत्र जारी करना होता है कि वे सिविल रोजगार के लिये आवेदन कर सकते हैं और सिविल रोजगार प्राप्त करने पर तीन माह के नोटिस पर उन्हें कार्यभार से मुक्त किया जाएगा।
17. अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति के ऐसे प्राप्तकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों के मामले में अधिकतम 10 वर्ष जितने 1 जनवरी, 1989 को सैनिक सेवा के 5 वर्षों की सेवा की प्रारंभिक अवधि पूरी कर ली है और उसके बाद सैनिक सेवा में रखे जाने हैं तथा जिनके मामले में रक्षा मंत्रालय एक कोप्रमाणपत्र जारी करना होता है कि वे सिविल रोजगार लिए आवेदन कर सकते हैं और सिविल रोजगार प्राप्त करने पर तीन माह के नोटिस पर उन्हें कार्यभार से मुक्त किया जाएगा।
18. यदि कोई उम्मीदवार तत्कालीन पश्चिमी पाकिस्तान से वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है और पहली जनवरी, 1971 तथा 31 मार्च, 1973 के बीच की अवधि के दौरान प्रजनन कर भारत आया था तो अधिक से अधिक 3 वर्ष तक।
19. यदि कोई उम्मीदवार अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति का है और तत्कालीन पश्चिमी पाकिस्तान से वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है और पहली जनवरी, 1971 तथा 31 मार्च, 1973 के बीच की अवधि के दौरान प्रजनन कर भारत आया है तो अधिक से अधिक 8 वर्ष तक।
20. यदि कोई उम्मीदवार 1 जनवरी, 1989 से 15 अगस्त, 1986 तक सामान्यतः असम राज्य में रहा है तो उसके लिए अधिक से अधिक 6 वर्ष तक।
21. वे उम्मीदवार जो अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति के हैं और 1 जनवरी, 1980 से 15 अगस्त, 1985 तक सामान्यतः असम राज्य में रहे हैं, उसके लिए अधिक से अधिक 11 वर्ष तक।

टिप्पणी : भूतपूर्व सैनिक जो भूतपूर्व सैनिकों को पुनर्नियोजन के लिए दी जाने वाली सुविधाएं प्राप्त करके पहले से ही सिविल क्षेत्र में सरकारी सेवा में कार्यरत हैं वे नियमावली के नियम 5(ग), (14) और (15) के अधीन आवेदन करने के पात्र नहीं हैं।

ऊपर की गई व्यवस्था को छोड़कर निर्धारित आयु-सीमा में किसी भी ह्रास में छूट नहीं दी जा सकती है।

टिप्पणी : जिस उम्मीदवार को नियम 5(ख) के अधीन परीक्षा में प्रवेश न दिया हो उसकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी यदि आवेदन पत्र भेजने के बाद वह परीक्षा में पहले या परीक्षा देने के बाद सेवा के त्याग पत्र दे देता है या विभाग द्वारा उसकी सेवाएं समाप्त कर दी जाती हैं किन्तु आवेदन पत्र भेजते समय यदि उसकी सेवा या परसे छूटनी हो जाती है तो वह पात्र नहीं बना रहेगा।

जो जोधर डिबीजन बलर्क/अपर डिबीजन बलर्क/स्टेनोग्राफर, ग्रेड "घ" सक्षम प्राधिकार का अनुमोदन लेकर किसी संवेग बाह्य पद पर प्रतिनियुक्त हैं या जिनका किसी अन्य पद पर स्थानांतरण हो जाता है किन्तु जिस पद पर से स्थानांतरित हुआ है उस पर उसका नियम बना रहता है वह यदि अन्यथा उपयुक्त हुआ तो परीक्षा में प्रवेश का पात्र बना रहेगा।

6. उम्मीदवार के पास भारत के केंद्र या राज्य विधान सभा मंडल द्वारा निमित्त किसी विश्वविद्यालय को या संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित या विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1965 के खंड 3 के अधीन विश्वविद्यालय के रूप में मान्यता दी किसी अन्य शिक्षा संस्था की डिग्री होनी चाहिए।

टिप्पणी : ऐसी व्यावसायिक और तकनीकी योग्यताएं जो सरकार द्वारा मान्यताप्राप्त व्यावसायिक और तकनीकी डिग्री के समकक्ष हों। रखने वाले उम्मीदवार इस परीक्षा में प्रवेश पाने के पात्र होंगे।

टिप्पणी : 2 कोई भी उम्मीदवार जितने ऐसी कोई परीक्षा दे दी है जिसके पास करने पर वह आयोग की परीक्षा के लिए शैक्षिक रूप से पात्र होगा परन्तु उसे परीक्षा फल की सूचना नहीं मिली है तथा ऐसा उम्मीदवार जो ऐसी अर्हक परीक्षा में बैठने का इच्छुक है आयोग की परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन करने का पात्र नहीं होगा।

7. जो उम्मीदवार सरकारी नौकरी में स्थायी या अस्थायी रूप में काम कर रहे हों, चाहे वे किसी काम के लिए विशिष्ट रूप से नियुक्त भी क्यों न हुए हों पर आकस्मिक या दैनिक ढर पर नियुक्त न हुए हों या वे जो लोक उद्यमों के अधीन कार्यरत हैं उन सब को इस आशय का परिचयन (अंकरटेकिंग) देना होगा कि उन्होंने अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष को लिखित रूप में यह सूचित कर दिया है कि उन्होंने परीक्षा के लिए आवेदन किया है।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि यदि आयोग की उनके नियुक्ता से उनके उक्त परीक्षा के लिए आवेदन करने/परीक्षा में बैठने से सम्बद्ध अनुमति रोकते हुए कोई पत्र मिलता है तो उनका आवेदन पत्र अस्वीकृत कर दिया जाएगा उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी।

8. परीक्षा से ठीक के लिए उम्मीदवार को पात्रता या अपात्रता के बारे में आयोग का निर्णय अंतिम होगा।
9. किसी उम्मीदवार को परीक्षा में तब तक नहीं बैठने दिया जाएगा जब तक कि उसके पास आयोग का प्रवेश प्रमाण पत्र (अटिफिकेट ऑफ एडमिशन) नहीं।

10. उम्मीदवार को आयोग के नोटिस के पैरा 5 में निर्धारित फीस देनी होगी।

11. जिस उम्मीदवार ने—

1. किसी भी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त किया है, अथवा
2. नाम बदलकर परीक्षा दी है, अथवा

3. किसी अन्य व्यक्ति से छवम रूप से कार्य साधन कराया है अथवा
4. जाली प्रमाणपत्र या ऐसे प्रमाण पत्र प्रस्तुत किए हैं, जिनमें तथ्यों को बिगाड़ा गया हो, अथवा
5. गलत या झूठे दस्तावेज दिये हैं या किसी महत्वपूर्ण तथ्य को छिपया है, अथवा
6. परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए किसी अन्य अनियमित अथवा अनुचित उपायों का सहारा लिया है अथवा
7. परीक्षा के समय अनुचित साधनों का प्रयोग किया हो, या
8. उत्तर पुस्तिकाओं पर असंगत बातें लिखी हों, जो अवलील भाषा में अशुभ आशय की हों, या
9. परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का व्यवहार किया हो,
10. परीक्षा चलाने के लिए प्रयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान किया हो या उन्हें अन्य प्रकार की शारीरिक क्षति पहुंचाई हो,
11. उम्मीदवार को परीक्षा देने की अनुमति देते हुए प्रेषित प्रवेश प्रमाण पत्र के साथ जारी किसी अनुदेश का उल्लंघन किया हो,
12. उपर्युक्त खंडों में उल्लिखित सभी अथवा किसी भी कार्य को करने का प्रयास किया हो या करने के लिए अभ्योक्त किया हो तो उस पर आपराधिक अभियोग (क्रिमिनल प्रोसीक्यूशन) चलाया जा सकता है और उनके साथ ही उसे—

(क) आयोग द्वारा उस परीक्षा से जिसका वह उम्मीदवार है, बैठने के लिए अयोग्य ठहराया जा सकता है, अथवा

(ख) उसे अस्थायी रूप से अथवा एक विशेष अवधि के लिए—

1. आयोग द्वारा ली जाने वाली किसी भी परीक्षा अथवा चयन के लिए,
2. केन्द्रीय सरकार द्वारा अपने अधीन किसी भी नौकरी से वारित किया जा सकता है, और

(ग) यदि यह सरकार के अधीन पहले से ही सेवा में है तो उसके विरुद्ध उपयुक्त नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्यवाही की जा सकती है :

किंतु शर्त यह है कि इस नियम के अधीन कोई शास्ति तब तक नहीं दी जाएगी जब तक—

1. उम्मीदवार को इस संबंध में लिखित, अभ्यावेदन जो वह देना चाहें प्रस्तुत करने का अवसर न दिया गया हो, और
2. उम्मीदवार द्वारा अनुमत्त समय में प्रस्तुत अभ्यावेदन पर यदि कोई हो, विचार न कर लिया गया हो।

12. परीक्षा के बाद आयोग हर एक उम्मीदवार को अंतिम रूप से दिए गए कुल प्राप्तांकों के आधार पर उनके योग्यता क्रम के अनुसार उनके नामों की सूची बनायेगा और इस परीक्षा का परिणाम निकालने पर जितनी अनारक्षित खाली जगहों पर भर्ती करने का फैसला किया गया हो उतने ही ऐसे उम्मीदवारों को योग्यता क्रम के अनुसार नियुक्त करने के लिए अनुशासित की जाएगी जो आयोग द्वारा परीक्षा में योग्य माने गए हों :

परन्तु आरक्षित कोटा में कमी को पूरा करने के लिए अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों को आयोग द्वारा स्तर में छूट देकर बाह्य परीक्षा के योग्यता क्रम में उनका कोई भी स्थान हो नियुक्ति के लिये अनुशासित किया जा सकेगा, बशर्ते कि वे उम्मीदवार इन सेवाओं/पदों पर नियुक्ति के लिये उपयुक्त हों।

13. प्रत्येक उम्मीदवार को परीक्षाफल की सूचना किस रूप में किस प्रकार दी जाए इसका निर्णय आयोग स्वयं करेगा और आयोग उनसे परीक्षाफल के बारे में कोई पत्र व्यवहार नहीं करेगा।

14. नियमों की अन्य व्यवस्थाओं के अधधीन परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्ति करते समय उम्मीदवार द्वारा विस्तृत आवेदन पत्र में विभिन्न सेवाओं/पदों के लिये बनाये गये वरीयता क्रम पर उचित ध्यान दिया जायेगा।

15. नियुक्तियां दो वर्ष की परीक्षा अवधि पर की जाएगी या आवश्यक समझा गया तो परीक्षा अवधि बढ़ाई जा सकती।

16. उम्मीदवार को सहायक ग्रेड में उनकी नियुक्ति की तारीख से दो वर्ष की अवधि के भीतर कम से कम 30 शब्द प्रति मिनट की गति से अंग्रेजी टाइपिंग या 25 शब्द प्रति मिनट की गति से हिन्दी टाइपिंग पास करनी होगी यदि वे निर्धारित अवधि के भीतर परीक्षा पास न कर सकें तो वह सहायक ग्रेड में आगे बेतन वृद्धि पाने के तब तक रुकदार नहीं होंगे जब तक कि वे उक्त परीक्षा पास न कर लें या उन्हें किसी विशेष या सामान्य आदेश के अधीन ऐसी परीक्षा पास करने की आवश्यकता से छूट न दी जाए और परीक्षा पास कर लेने पर या उससे छूट मिल जाने पर उनके बेतनमान को फिर से इस प्रकार नियत किया जायेगा कि उनकी बेतन वृद्धि रोकी ही नहीं गयी थी परन्तु जितनी अवधि के लिए बेतनवृद्धि रोकी ही नहीं उस अवधि का बकाया बेतन उन्हें नहीं दिया जायेगा।

17. जिन व्यक्तियों ने—

(क) ऐसे व्यक्तियों से विवाह या विवाह अनुबंध किया है जिसका जीवित पति/पत्नी पहले से है, या

(ख) जीवित पत्नी/पति के रहते हुए किसी से विवाह या विवाह अनुबंध किया है तो वह सेवा में नियुक्ति के लिए पात्र नहीं माना जायेगा परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से संतुष्ट हो जाये कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति तथा विवाह सूत्र के दूसरे पक्ष पर लागू होने वाले व्यक्ति कानून के अनुसार स्वीकार्य है और ऐसा करने के अन्य कारण भी हैं, तो वह किसी भी व्यक्ति को इस नियम से छूट दे सकती है।

18. उम्मीदवार को मानसिक और शारीरिक दृष्टि से स्वस्थ होना चाहिए और उनमें कोई ऐसा शारीरिक दोष नहीं होना चाहिए जो संबंधित सेवा/पद के अधिकारी के रूप में अपने कर्तव्यों को कुशलतापूर्वक निभाने में बाधक हों। यदि सक्षम अधिकारी द्वारा विहित डाक्टर की परीक्षा के बाद किसी उम्मीदवार के बारे में यह ज्ञात हुआ है कि वह इन शर्तों को पूरा नहीं कर सकता तो उसकी नियुक्ति नहीं की जायेगी। केवल उन्हीं उम्मीदवारों की डाक्टर की परीक्षा की जायेगी जिनकी नियुक्ति के संबंध में विचार किये जाने की संभावना है।

19. परीक्षा के पास हो जाने से ही नियुक्ति का अधिकार नहीं मिल जाता इसके लिए आवश्यक है कि सरकार आवश्यकतानुसार जांच करके इस बात से संतुष्ट हो जाए कि उम्मीदवार चरित्र तथा पूर्ववृत्त की दृष्टि से इस सेवा/पद पर नियुक्ति के लिए हर प्रकार से उपयुक्त है।

20. भारतीय विदेश सेवा (ख), रेलवे बोर्ड सचिवालय सेवा, केन्द्रीय सचिवालय सेवा और मण्डल सेना मुख्यालय सिविल सेवा में सहायकों के पदों की सेवा की शर्त परिशिष्ट-II में दी गयी है।

जी.एस. गिरजाधर, प्रवर सचिव

## परिशिष्ट-I

(परीक्षा की योजना)

परीक्षा के विषय, अनुमित समय तथा प्रत्येक विषय के लिए अधिकतम अंक निम्न प्रकार से होंगे :-

प्रश्न पत्र	विषय	अधिकतम अंक	अनुमित समय
प्रश्न-पत्र-I	गणित	150 अंक	2½ घंटे
प्रश्न-पत्र-II	सामान्य ज्ञान	150 अंक	2½ घंटे
प्रश्न-पत्र-III	भाषा-I (सामान्य अंग्रेजी)	200 अंक	3 घंटे
	अथवा भाषा-II (सामान्य अंग्रेजी तथा हिन्दी)	200 अंक	3 घंटे

2. परीक्षा का पाठ्य विवरण साथ संलग्न अनुसूची में दिया गया है।

3. सभी विषयों के प्रश्नपत्र वस्तुपूरक के प्रश्नों के होंगे। अंक गणित तथा सामान्य ज्ञान से प्रश्न पत्र (प्रश्न पुस्तिका) हिन्दी तथा अंग्रेजी दोनों में छपे होंगे।

4. उम्मीदवारों को सभी उत्तर अपने हाथ से लिखने होंगे। किसी भी हालत में उन्हें उत्तर लिखने के लिए अन्य व्यक्ति की सहायता लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

5. आयोग अपनी विवेका पर परीक्षा के किसी एक या सभी विषयों के अर्द्धक (क्वालीफाइंग अंक) निर्धारित कर सकता है।

6. प्रश्न पत्र, जहां आवश्यक हों, तोलों और मापों की मीट्रिक प्रणाली से संबंधित प्रश्न पूछे जाएंगे।

7. उम्मीदवार वस्तुपूरक प्रश्न पत्रों (प्रश्न पुस्तिका) का उत्तर देने के लिए कैलकुलेटरी का प्रयोग नहीं कर सकते। अतः वे उन्हें परीक्षा भवन में न लायें।

## अनुसूची

परीक्षा की पाठ्यवस्तुएं

1. अंकगणित : संख्याओं, अंशों, प्रारम्भिक सांख्यिक तथा अंकगणित के ज्ञान पर अधिक बल दिया जाएगा।

2. सामान्य ज्ञान जिसमें भारत का भूगोल भी शामिल है सामाजिक पटमाओं का ज्ञान और जो कुछ हम प्रतिदिन देखते हैं और अनुभव करते हैं उनके वैज्ञानिक पक्षों का ज्ञान जो एक साधारण पढ़े लिखे आदमी को होना चाहिए जिसने किसी वैज्ञानिक विषय का विशेष अध्ययन न किया हो। इस प्रश्न पत्र में भारतीय भूगोल संबंधी प्रश्न पूछे जाएंगे इस प्रश्न पत्र में भारतीय इतिहास से संबंधित ऐसे प्रश्न भी पूछे जाएंगे जिसका उत्तर उम्मीदवार बिना किसी विशेष अध्ययन के ही दे सकते हैं।

3. भाषा प्रश्न पत्र :

भाषा प्रश्न पत्र-I सामान्य अंग्रेजी का प्रश्न पत्र होगा जो स्वातंत्र्य स्तर का होगा। भाषा प्रश्न पत्र-II में 50 प्रतिशत प्रश्न भाषा प्रश्न पत्र-I की तरह सामान्य अंग्रेजी के एवं 50 प्रतिशत प्रश्न उसी स्तर के अर्थ प्रकार के हिन्दी में होंगे।

भाषा प्रश्न पत्र इस प्रकार का होगा जिससे उम्मीदवारों की संबंधित भाषाओं की समझने और उसे सही तथा प्रभावपूर्ण ढंग से प्रयोग करने की योग्यता का पता लग सके।

## परिशिष्ट-II

उन सेवाओं/पदों से संबंधित विवरण जिनके लिए इस परीक्षा के द्वारा भर्ती की जा रही है :-

1. भारतीय विदेश सेवा (ख) :-

विदेश मंत्रालय में और विदेश स्थित भारतीय राजनयिक काउन्सलर मिशनों व केन्द्रों में सहायकों के सभी पद तथा वाणिज्य मंत्रालय में सहायकों के कुछ पद भारतीय विदेश सेवा (ख) के सामान्य संवर्ग के ग्रेड-4 में सम्मिलित हैं। ग्रेड-4 के नीचे के ग्रेडों को छोड़कर भारतीय विदेश सेवा (ख) के सामान्य संवर्ग के विभिन्न ग्रेड निम्नलिखित हैं :-

ग्रेड	पदनाम	वेतनमान
ग्रेड-I	मुख्यालयों में अवर सचिव या विदेश स्थित मिशनों और केन्द्रों पर प्रथम और द्वितीय सचिव	र. 3000-100-3500-125-4500
समेकित ग्रेड-II	मुख्यालयों में सहकारी (अताओं) और अनुभाग अधिकारी	र. 2000-60-2300-75-2900-100-3500
और III	विदेश स्थित मिशनों और केन्द्रों में उप काउंसिल और रजिस्ट्रार	
ग्रेड-IV	मुख्यालयों में तथा विदेश सेवा स्थित मिशनों और केन्द्रों पर सहायक	र. 1640-60-2600-75-2900

2. भारतीय विदेश सेवा (ख) के सामान्य संवर्ग के ग्रेड-4 में सीधे भर्ती किए गए व्यक्तियों को दो वर्ष परीक्षाधीन रखा जाएगा। इस दौरान उन्हें ऐसे प्रशिक्षण देने होंगे और ऐसी परीक्षाएं पास करनी होंगी जो सरकार द्वारा निर्धारित की गयी हों। प्रशिक्षण के दौरान संतोषजनक प्रगति न करने अथवा परीक्षाएं पास करने पर परीक्षाधीन व्यक्ति को नौकरी से निकाला जा सकता है।

3. परीक्षा अवधि समाप्त होने पर सरकार परीक्षाधीन अधिकारी को उसकी नियुक्ति पर स्थायी कर सकती है या यदि सरकार की राय में उसका कार्य या आवरण संतोषजनक न रहा हो तो सरकार उसे सेवा-मुक्त कर सकती है या उसकी परीक्षा अवधि को जितनी उचित समझे बढ़ा सकती है।

4. भारतीय विदेश सेवा (ख) में नियुक्त किए गए व्यक्तियों का केन्द्रीय सचिवालय सेवा और अन्य किसी सेवा संवर्ग में शामिल पदों पर नियुक्ति का कोई अधिकार नहीं होगा। उनके अतिरिक्त ऐसे सभी व्यक्ति जो बाह्य भारत में अथवा विदेश में किसी पद पर नियुक्त किए जाए सेवा करने को बाध्य होंगे।

5. विदेशों में सेवा के दौरान भारतीय विदेश सेवा (ख) अधिकारियों को मूल वेतन के अतिरिक्त संयुक्त देशों में निर्वाह व्यय भाति अनुसार समय-समय पर स्वीकृत की जाने वाली वरों पर विदेश भता भी दिया जाता है। इसके अतिरिक्त भारतीय विदेश सेवा (पी.एच.सी.पी.) नियमावली, 1961 के अनुसार जो भारतीय विदेश सेवा (ख) अधिकारियों पर लागू हो गई है, विदेशों में सेवा के दौरान निम्नलिखित रियायतें भी प्राह्य हैं :-

(1) सरकार द्वारा निर्धारित मान के अनुसार सुपेजित निःशुल्क आवास,

(2) गृहयुता प्राप्त चिकित्सा परिवर्षा योजना के अंतर्गत चिकित्सा परिवर्षा सुविधाएं,

- (3) निर्धारित नियमों के अनुसार अधिकारियों तथा उनके परिवारों के लिए गृह व्यवस्था-यात्रा।
- (4) सरकार द्वारा यथा परिभाषित आपातकाल जैसे भारत में किसी निकट संबंधी की मृत्यु अथवा गंभीर बीमारी के समय भारत जाने और विदेश में कार्यस्थल पर वापस लौटने के लिए जाने आने का मुकल हवाई यात्रा व्यय जो पूरी सेवावधि के दौरान अधिक से अधिक दो बार मिलेगा।
- (5) भारत में क्षेत्रीय शैक्षिक संस्था में अध्ययनरत 6 से 12 वर्ष तक की आयु के बच्चों को कुछ शर्तों पर छुट्टियों के दौरान अपने माता-पिता के पास आने जाने के लिए वापिस हवाई यात्रा व्यय।
- (6) उक्त अधिकारी को विदेश में तैनाती स्थल पर अध्ययनरत 5 से 18 वर्ष तक आयु तक के बच्चों की शिक्षा का व्यय जो अधिकतम दो बच्चों तक मिलेगा, कुछ शर्तों के अधीन सरकार द्वारा बहन किया जाता है।
- (7) विदेशों में प्रति तैनाती पर रु. 2000 परिसरज्जा भत्ता जो सारी सेवावधि के दौरान अधिक से अधिक 8 अवसरों तक मिलेगा।

6. भारतीय विदेश सेवा (ख) में नियुक्त सभी अधिकारी भारतीय विदेश सेवा (शाखा 'ख') (भर्ती, संवर्ग, वरिष्ठता और पदोन्नति), नियमावली 1964 के प्रयोग और अन्य ऐसे नियमों और विनियमों के अधीन होंगे जो सरकार भविष्य में बनाये और उक्त सेवा पर लागू करें।

7. भारतीय विदेश सेवा (ख) के सामान्य संवर्ग सहायक ग्रेड में नियुक्त व्यक्ति, भारतीय विदेश सेवा (शाखा 'ख') (भर्ती, संवर्ग वरिष्ठता और पदोन्नति), नियमावली, 1969 में समाविष्ट उपबन्धों के अनुसार उच्च ग्रेडों में पदोन्नति पाने के पात्र होंगे।

टिप्पणी:—भारतीय विदेश सेवा (भर्ती, संवर्ग, वरिष्ठता और पदोन्नति) नियमावली, 1964 के अनुसार भारतीय विदेश सेवा (ख) के ग्रेड-I के अधिकारियों के लिए भारतीय विदेश सेवा (क) के रु. 3200-100-3700-125-4700 के वरिष्ठ वेतनमान में पदोन्नति के लिए सीमित फीटा उपलब्ध है।

#### 2. रेलवे बोर्ड सचिवालय सेवा :—

रेलवे बोर्ड सचिवालय सेवा के इस समय निम्नलिखित 4 ग्रेड हैं :—

- (1) सचिव ग्रेड (उप सचिव या समकक्ष अधिकारी) रु. 3700-125-4700-150-5000।
- (2) ग्रेड-1 (अवर सचिव या समकक्ष अधिकारी)—रु. 3000-100-3500-125-4500।
- (3) अनुभाग अधिकारी ग्रेड—रु. 2000-60-2300-द.रो.-75-3200-100-3500।
- (4) सहायक ग्रेड—रु. 1640-60-2600-द.रो.-75-2900।

सहायक के रूप में सीधे भर्ती हुए व्यक्ति 2 वर्ष की अवधि के लिए परीक्षा पर रहेंगे जिसके दौरान उन्हें ऐसा प्रशिक्षण पाना होता और ऐसी परीक्षाएं देनी होंगी जो सरकार निर्धारित करे यदि वे प्रशिक्षण के दौरान पर्याप्त प्रगति न दिखा सकें और परीक्षाएं पास न कर सकें तो परीक्षाधीन व्यक्ति को सेवानुस्त किया जा सकता है।

परीक्षा अवधि के समाप्त होने पर सरकार परीक्षाधीन व्यक्ति को नियुक्ति पर पकटा कर सकती है, या सरकार की राय में उसका कार्य या आवरण संतोषजनक न रहा हो तो सरकार उसे या तो सेवानुस्त कर सकती है या उसकी परीक्षा की अवधि दो, त्रित, उचित समझे, और बढ़ा सकती है।

उक्त सेवा के सहायक ग्रेड में भर्ती हुए व्यक्ति इस संबंध में समय-समय प्रभावी नियमों के अनुसार अगले उच्चतर ग्रेड में पदोन्नति के पात्र होंगे।

रेलवे बोर्ड सचिवालय सेवा रेल विभाग तक ही सीमित है और इसके कर्मचारी केन्द्रीय सचिवालय सेवा के कर्मचारियों की तरह अन्य मंत्रालयों में स्थानांतरित नहीं किए जा सकते हैं।

रेलवे बोर्ड सचिवालय सेवा के इन नियमों के अन्तर्गत भर्ती हुए अधिकारी—

- (1) पेंशन लाभ के पात्र होंगे, और
- (2) गैर अंगदायी राज्य रेलवे भविष्य निधि के नियमों के अन्तर्गत उक्त निधि में अंगदान करेंगे जो कि रेल कर्मचारियों पर उक्त सेवा में सम्मिलित होने की तारीख से लागू हो जाते हैं।

रेलवे बोर्ड सचिवालय सेवा नियुक्त कर्मचारी रेलवे बोर्ड द्वारा समय-समय पर जारी आदेशों के अनुसार पाम और पी.टी.पी. के हकदार होंगे।

जहाँ तक छुट्टी और सेवा की अन्य शर्तों का संबंध है, रेलवे बोर्ड सचिवालय सेवा में शामिल किए गए कर्मचारियों को रेलवे के अन्य अधिकारियों के समान ही समझा जाता है, परन्तु चिकित्सा सुविधाओं के मामले में उन पर वे ही नियम लागू होंगे जो केन्द्रीय सरकार के उन अन्य कर्मचारियों पर लागू होते हैं, जिनके मुख्यालय नई दिल्ली में हैं।

#### 3. केन्द्रीय सचिवालय सेवा :—

केन्द्रीय सचिवालय सेवा में इस समय नीचे लिखे 4 ग्रेड हैं :—

- (1) सचिव (संलग्नक ग्रेड) (उप सचिव या समकक्ष अधिकारी)—रु. 3700-125-4700-150-5000.
- (2) ग्रेड-1 (अवर सचिव या समकक्ष अधिकारी)—रु. 3000-100-3500-125-4500.
- (3) अनुभाग अधिकारी ग्रेड—रु. 2000-60-2300-द.रो.-75-3200-100-3500.
- (4) सहायक ग्रेड—रु. 1640-60-2600-द.रो.-75-2900.

2. सहायकों के रूप में सीधे भर्ती किए गए व्यक्तियों को दो वर्ष तक परीक्षा पर रखा जाएगा। इस परीक्षा अवधि में उनकी सरकार द्वारा निर्धारित प्रशिक्षण लेना होगा और विभागीय परीक्षाएं पास करनी होंगी। यदि परीक्षाधीन सहायक प्रशिक्षण अवधि में पर्याप्त प्रगति न दिखा सकें या परीक्षाएं पास न कर सकें तो परीक्षाधीन व्यक्ति को सेवानुस्त किया जा सकता है।

3. परीक्षा अवधि के समाप्त होने पर सरकार परीक्षाधीन व्यक्ति को उसकी नियुक्ति पर पकटा कर सकती है या सरकार की राय में उसका कार्य या आवरण संतोषजनक न रहा हो तो सरकार उसे या तो सेवानुस्त कर सकती है या उसकी परीक्षा अवधि को त्रित, उचित समझे और बढ़ा सकती है।

4. केन्द्रीय सचिवालय सेवा में भर्ती किए गए सहायकों को केन्द्रीय सचिवालय सेवा में शामिल किसी एक मंत्रालय या कार्यालय में नियुक्त किया जा सकता है। तथापि उन्हें किसी भी समय किसी अन्य मंत्रालय या कार्यालय में स्थानांतरण किया जा सकता है।

5. सहायक इस संबंध में समय-समय पर लागू होने वाले नियमों के अनुसार उच्च ग्रेडों में पदोन्नति के पात्र होंगे।

6. जिन व्यक्तियों को उनके अपने ही विभाग के आधार पर केन्द्रीय सचिवालय सेवा के सहायक ग्रेड में नियुक्त किया गया हो तो वे अपनी

इस नियुक्ति के साथ किसी अन्य सेवा (केडर) के किसी एक पर स्या-  
नोतरण या निरुक्ति का काम नहीं कर सकते।

4. सशस्त्र सेना मुख्यालय सिविल सेवा : सशस्त्र सेना मुख्यालय सिविल  
सेवा में पांच ग्रेड हैं जो इस प्रकार हैं :—

ग्रेड	वेतनमान
निदेशक	रु. 4500-150-5700
चयन ग्रेड (संयुक्त निदेशक या वरिष्ठ सिविलियन स्टाफ अधिकारी)	रु. 3700-125-4700-150- 5000
सिविलियन स्टाफ अधिकारी	रु. 3000-100-3500-125- 4500
सहायक सिविलियन स्टाफ अधिकारी	रु. 2000-60-2300-र.रो.- 75-3200-100-3500
सहायक	रु. 1640-60-2600-र.रो.-75- 2900

2. जिन व्यक्तियों की सहायक के रूप में सीधी भर्ती की जाएगी  
उन्हें दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षाधीन रखेंगे जिसके दौरान उन्हें  
ऐसा प्रशिक्षण देना होगा तथा ऐसे विभागीय परीक्षण उत्तीर्ण करने होंगे  
जैसा कि सरकार द्वारा निर्धारित किया जाए। परीक्षण के दौरान पूर्णतः  
प्रगति न दिखाने पर अथवा उक्त परीक्षणों में उत्तीर्ण न होने पर परि-  
क्षाधीन अधिकारी को सेवा से कार्यमुक्त किया जा सकता है।

3. परीक्षा अवधि की समाप्ति पर सरकार परीक्षाधीन अधिकारी  
को उसकी नियुक्ति पर स्थायी कर सकती है अथवा यदि सरकार की  
राय में उसका कार्य या आचरण असंतोषजनक रहा है तो या तो उसे  
सेवा से मुक्त किया जा सकता है या उसकी परीक्षा अवधि ऐसी आगे  
की अवधि के लिये बढ़ा दी जा सकती है जो भी सरकार उचित समझे।

4. सशस्त्र सेना मुख्यालय सिविल सेवा में भर्ती किए गए सहायकों  
की तैनाती सशस्त्र सेना मुख्यालय सिविल सेवा योजना में सहायकी अल्प-  
सेवा संगठन के किमी एक सेवा मुख्यालय में की जाएगी। किन्तु उन्हें  
किसी भी समय किसी अन्य ऐसे मुख्यालयों या कार्यालयों में स्थानांतरित  
किया जा सकता है।

5. सहायक इस संबंध में समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार  
उक्त ग्रेडों में पदोन्नति के पात्र होंगे।

6. सशस्त्र सेना मुख्यालय सिविल सेवा के सहायक ग्रेड में नियुक्त  
किए गए व्यक्तियों का ऐसी नियुक्ति के साथ उन पदों, जो उक्त सेवा में  
सम्मिलित नहीं हैं, पर स्थानांतरण या नियुक्ति का कोई हक नहीं होगा।

## MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES & PENSIONS

(Department of Personnel and Training)

### RULES

New Delhi, the 17th November, 1990

No. 6/490-CS(I).—The Rules for a competitive  
examination viz., Assistants Grade Examination, 1989  
to be held by the Staff Selection Commission in 1991  
for the purpose of filling vacancies in the following  
services/Posts are published for general informa-  
tion :—

- Grade IV (Assistants) of General Cadre  
of the Indian Foreign Service (B) ;
- Assistants' Grade of the Railway Board  
Secretariat Service ;
- Assistants' Grade of the Central Secretariat  
Service ;
- Assistants' Grade of the Armed Forces  
Headquarters Civil Services ; and
- Posts of Assistant in other Departmental  
Organisations and Attached Offices of the  
Government of India not participating in the  
IFS(B)[Railway Board Secretariat Service]  
Central Secretariat Service|Armed Forces  
Headquarters Civil Service.

1. A candidate may compete in respect of any one  
or more of the Services/Posts mentioned above.

2. The number of vacancies to be filled on the  
results of the examination will be as specified in the  
Notice issued by the Commission. Reservations will  
be made for candidates belonging to the Scheduled  
Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacan-  
cies as may be fixed by the Government.

3. The examination will be conducted by the staff  
Selection Commission in the manner prescribed in  
Appendix I to these Rules.

The dates on which and the places at which the  
examination will be held shall be fixed by the Com-  
mission.

4. A candidate must be either :—

- a citizen of India, or
- a subject of Nepal, or
- a subject of Bhutan, or
- a Tibetan refugee who came over to India  
before the 1st January, 1962 with the in-  
tention of permanently settling in India, or
- a person of Indian origin who has migrated  
from Pakistan, Burma, Sri Lanka, East  
African Countries of Kenya, Uganda, the  
United Republic of Tanzania (formerly  
Tanganyika and Zanzibar), Zambia, Malawi,  
Zaire and Ethiopia and Vietnam with the  
intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories  
(b), (c), (d) and (e) above shall be a person in whose  
favour a certificate of eligibility has been issued by  
the Government of India.

A candidate in whose case a certificate of eligi-  
bility is necessary may be admitted to the examination  
but the offer of appointment may be given only after  
the necessary eligibility certificate has been issued to  
him by the Government of India.

5. (a) A candidate for this examination must have  
attained the age of 20 years and must not have  
attained the age of 25 years on the 1st of January,  
1989 i.e. he must have been born not earlier than

the 2nd January, 1964 and not later than the 1st January, 1969.

(b) The upper age limit will be relaxable upto the age of 30 years in respect of LDCs|UDCs|Stenographers Grade D with not less than 3 years continuous and regular service on 1st January, 1989 in the various Departments|Offices of the Government of India including those under the Union Territories Administrations or in the Office of the Election Commission and the Central Vigilance Commission or in the Lok Sabha|Rajya Sabha Secretariat.

Candidates holding posts, which are not designated as LDCs|UDCs|Stenographers Grade D will not be eligible for age relaxable under this sub-rule, even though the posts held by them are in identical pay scale.

(c) The upper age limit prescribed above will be further relaxable —

- (i) upto a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe ;
- (ii) upto a maximum of three years if a candidate is a bonafide displaced person, from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971 ;
- (iii) upto a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bonafide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and has migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971 ;
- (iv) upto a maximum of three years if a candidate is a bonafide repatriate or prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964 ;
- (v) upto a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bonafide repatriate or prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964 ;
- (vi) upto a maximum of three years if a candidate is a bonafide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963 ;
- (vii) upto a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bonafide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963 ;
- (viii) upto a maximum of three years if a candidate is of Indian origin and has migrated

from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) or who is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia ;

- (ix) upto a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or Scheduled Tribe and is also a bonafide repatriate of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) or is a repatriate of Indian Origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia.
- (x) upto a maximum of three years in the case of Defence Services Personnel, disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof ;
- (xi) upto a maximum of eight years in the case of Defence services personnel, disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof, who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes ;
- (xii) upto a maximum of three years if a candidate is a bonafide repatriate or Indian origin (Indian Passport Holder) from Vietnam as also a candidate holding emergency certificate issued to him by the Indian Embassy in Vietnam and who arrived in India from Vietnam not earlier than July, 1975 ;
- (xiii) upto a maximum of 8 years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and also is a bonafide repatriate of Indian origin (Indian Passport Holder) as also a candidate holding emergency certificate issued to him by the Indian Embassy in Vietnam and who arrived in India from Vietnam not earlier than July, 1975 ;
- (xiv) upto a maximum of 5 years in the case of exservicemen and Commissioned Officers including ECO's|SSCO's who have rendered at least 5 years Military Service as on 1st January, 1989 and have been released (i) on completion of assignment (including those whose assignment is due to be completed within one year from the date of submission of his application, otherwise than by way of dismissal or discharge or on account of misconduct or inefficiency or (ii) on account of physical disability attributable to Military Service or (iii) on invalidment ;
- (xv) upto a maximum of ten years in the case of ex-servicemen and Commissioned Officers including ECO's|SSCO's who have rendered at least five years Military Services as on 1st January, 1989 and have been released (i) on completion of assignment (including those whose assignment is due to be completed within one year from the date of



submission of his application, otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency, or (ii) on account of physical disability attributable to Military Service, or (iii) on invalidment who belongs to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes ;

(xvi) upto a maximum of 5 years in case of ECO's/SSCO's who have completed an initial period of assignment of 5 years of Military Service as on 1-1-1989 and are retained in the Military service thereafter, and in whose case the Ministry of Defence issued a certificate that they can apply for civil employment and that they will be released on 3 months' notice on securing civil employment ;

(xvii) upto a maximum of 10 years in case of ECO's/SSCO's who have completed an initial period of assignment of 5 years of Military Service as on 1st January, 1989 and are retained in the Military Service thereafter and in whose case the Ministry of Defence issues a certificate that they can apply for civil employment and that they will be released on 3 months' notice on securing civil employment who belongs to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes ;

(xviii) upto a maximum of three years if a candidate is a bonafide displaced person from erstwhile West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973.

(xix) upto a maximum of 8 years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bonafide displaced person from erstwhile West Pakistan and that migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973 ;

(xx) upto a maximum of six years, if a candidate has ordinarily resided in the State of Assam during the period from the first day of January, 1980 to the fifteenth day of August, 1985 ;

(xxi) upto a maximum of eleven years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and has ordinarily resided in the State of Assam during the period from the first day of January, 1980 to the fifteenth day of August, 1985.

Note :—Ex-servicemen who have already joined the Government job on Civil side after availing of the benefits given to them as ex-servicemen for their re-employment, are not eligible to apply under Rule 5(c)(xiv) and (xv) of the Rules.

Save as Provided Above the Age Limits Prescribed can in no case be relaxed.

Note :—The candidature of a person who is admitted to the examination under Rule 5(b) shall be cancelled if after submitting his application he resigns from Service or his services

are terminated by his Deptt. either before or after taking the examination. He will, however, continue to be eligible, if he is retrenched from the service or post after submitting his application.

An LDC/UDC/Stenographer Grade D who is on deputation to an ex-cadre post with the approval of the competent authority or who is transferred to another post but retains lien on the post from where he is transferred will be eligible to be admitted to the examination, if otherwise eligible.

6. A candidate must hold a degree of any of the Universities incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India or other educational institutions established by an Act of Parliament or declared to be deemed as a University under Section 3 of the University Grants Commission Act, 1956 or possess an equivalent qualification.

Note I :—Candidates possessing professional and technical qualifications which are recognised by Government as equivalent to professional and technical degree will also be eligible for admission to the examination.

Note II :—Candidates who have appeared at an examination the passing of which would render them educationally qualified for the Commission's examination but have not been informed of the result as also the candidates who intend to appear at such a qualifying examination will not be eligible to apply for admission to the Commission's examination.

7. All Candidates in Government service whether in a permanent or in a temporary capacity or as workcharged employees, other than casual or duty daily rated employee, or those serving under Public enterprises, will be required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for the Examination.

Candidates should note that in case a communication is received from their employer by the Commission withholding permission to the candidates applying for appearing at the examination, their applications shall be rejected/candidature shall be cancelled.

8. The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

9. No candidate will be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

10. Candidates must pay fee prescribed in para 12 of the Commission's Notice.

11. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of :—

(i) obtaining support for his candidature by any means; or

- (ii) impersonating; or
- (iii) procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated document or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information, or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for this examination, or
- (vii) using unfair means during the examination,
- (viii) writing irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter, in the script(s), or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall, or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examination, or
- (xi) violating any of the instructions issued to employed by the Commission for the certificate permitting them to take the examination, or
- (xii) attempting to commit or as the case may be, abetting the Commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses, may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable.
- (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate; or
- (b) to be debarred, either permanently or for specified period :—
  - (i) by the Commission, from any examination or selection held by them;
  - (ii) by the Central Government, from any employment under them; and
- (c) if he is already in service under Government, to disciplinary action under the appropriate rules;

Provided that no penalty under this rule shall be imposed except after :—

- (i) giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf; and
- (ii) taking the representation, if any, submitted by the candidate, within the period allowed to him, into consideration.

12. After the examination, the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate, and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified by the examination shall be recommended for appointment up to the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination:

Provided that candidates belonging to the scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, be recommended by the Commission by a relaxed standard to fill up the vacancies in the reserve quota, subject to the fitness of these candidates for appointment to the Services/Posts, irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

13. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion, and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

14. Subject to other provisions contained in these rules, due consideration will be given at the time of making appointment on the result of the examination, to the preference expressed by a candidate for various Services/Posts in the detailed application form.

15. Appointments will be made on probation for a period of two years. The period of probation may be extended if considered necessary.

16. Candidates will be required to pass a test in typewriting at a minimum speed of 30 words per minute in English or 25 words per minute in Hindi within a period of two years from the date of appointment to the Assistant's Grade. In the event of their failure to pass the test within the prescribed period, they shall not be entitled to draw any further increments in the Assistant's Grade until they pass such test or are exempted from this requirement under a special or general order; and on passing or being exempted from the test, their pay shall be fixed as if their increments had not been withheld but no arrears of pay shall be allowed for the period the increments had been withheld.

17. No person :—

- (a) Who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living; or
- (b) Who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to service :

Provided that the Central Government may if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

18. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient discharge of his duties as an officer of the Service. A candidate, who after such medical examination, as may be prescribed by the competent authority, is found not to satisfy these requirements will not be appointed. Only such candidates as are likely to be considered for appointment will be medically examined.

19. Success at the examination confers no right to appointment, unless Government are satisfied, after such enquiry as may be considered necessary that the

candidate having regard to his character and antecedents is suitable in all respect for appointment to the Service/Post.

20. Conditions of Service for Assistants in the Indian Foreign Service (B), the Railway Board Secretariat Service, the Central Secretariat Service and the Armed Forces Headquarters Civil Service are briefly stated in Appendix II.

GURNIHAL SINGH PIRZADA, Under Secy.

## APPENDIX I

### (The Scheme of the Examination)

The subjects of the examination, the time allowed and the maximum marks for each subject will be as follows :—

Paper	Subject	Max. Marks	Time allowed
Paper I	Arithmetic	150 marks	2 1/2 hours
Paper II	General Knowledge	150 marks	2 1/2 hours
Paper III	Language I (General English)	200 marks	3 hours
	OR		
	Language II (General English and Hindi)	200 marks	3 hours

2. The syllabus for the examination will be as shown in the attached Schedule.

3. The papers in all the subjects consist of objective type questions only. The question papers (Test Booklets) in Arithmetic and General Knowledge will be set both in English and Hindi.

4. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write the answers for them.

5. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects of the examination.

6. In the question papers, wherever necessary questions involving numerals the Metric System of Weights and measures only will be set.

7. Candidates are not permitted to use calculators for answering objective type papers (Test Booklets). They should not, therefore, bring the same inside the Examination Hall.

## SCHEDULE

### Syllabus of the Examination

(1) Arithmetic.—There will be greater emphasis on understanding of numbers, graphs, elementary statistics and arithmetic.

(2) General Knowledge including Geography of India.—Knowledge of current events and of such matters of every day observations and experience in their scientific aspects as may be expected of an educated person who has not made a special study of

any scientific subjects. The paper will include questions on geography of India. The paper may also include questions on History of India of a nature, which candidates should be able to answer without special study.

(3) Language Paper.—Language I paper will be paper in General English of Graduate standard. Language II paper will consist of 50 per cent questions in General English as in Language I and 50 per cent questions in Hindi of the same standard and nature.

Language paper will be designed to test the candidates ability to understand and use the language(s) correctly and effectively.

## APPENDIX II

Brief particulars relating to the Service/Posts to which recruitment is being made through this examination.

(i) Indian Foreign Service (B).—All posts of Assistants in the Ministry of External Affairs and in Indian Diplomatic, Consular Missions and Posts abroad, and a few posts of Assistants in the Ministry of Commerce are included in Grade IV of the General Cadre of the Indian Foreign Service (B). The various grades in the General Cadre of Indian Foreign Service (B), excluding Grades lower than Grade IV, are as follows :—

Grade	Designation	Scale of Pay
Grade	Under Secretaries at HQRs First and second Secretaries in Missions and posts abroad	3000-100-3500-125- 4500
Integra- ted	Attache and Section Officer at Hqrs. Vice-Consuls and Registrars in Missions & III and Posts abroad	2000-60-2300-EB- 75-2900-100-3500
Grade IV	Assistants at Hqrs. and in Missions and Posts abroad.	1640-60-2600-EB- 75-2900

2. Persons recruited direct to Grade IV of the General Cadre of the Indian Foreign Service (B) will be on probation for a period of two years during which they will undergo such training and pass such tests as may be prescribed by Government. Failure to show sufficient progress in the courses of training or to pass the tests may result in the discharge of the probationer from service.

3. On conclusion of the period of probation, the Government may confirm the probationer in his appointment or, if his work or conduct has in the opinion of Government, been unsatisfactory he may either be discharged from the service or his period of

probation may be extended for such further period as Government may think fit.

4. Person appointed to the Indian Foreign Service (B) will have no claim to be appointed to post including in the Cadre of the Central Secretariat Service or any other Service. Further, all such persons will be liable to serve in any posts either in India or abroad to which they may be posted.

5. During service abroad, IFS(B) officials, are granted foreign allowance in addition to their basic pay, at rates which may be sanctioned from time to time, depending upon the cost of living etc., of the countries concerned. In addition, the following concessions are also admissible during service abroad, in accordance with the IFS (PLCA) Rules, 1961, as made applicable to IFS(B) officers :—

- (i) Free furnished accommodation according to the scale prescribed by the Government;
- (ii) Medical Attendance facilities under the Assisted Medical Attendance Scheme;
- (iii) Home leave passage for officers and their families in accordance with the prescribed rules;
- (iv) Return Single Air Passage to India and back to the place of duty abroad upto a maximum of two throughout the officer's service for emergencies such as the death or serious illness of a near relation in India as may be defined by the Government;
- (v) Annual return air passage for children between the age of 6 and 12 studying in regional educational institution of India to visit parents during vacation subject to certain conditions;
- (vi) Expenditure on education of children upto a maximum of two children between the ages of 5 and 18 studying at the place of posting abroad of the officer is met by the Government subject to certain conditions; and
- (vii) Outfit allowance Rs. 2,000 per posting abroad subject to maximum 8 occasions during the entire career.

6. All Officers appointed to the IFS(B), will be subject to the Indian Foreign Service (Branch B) (Recruitment Cadre, Seniority and Promotion) Rules, 1964 and also to other rules and regulations which the Government may hereafter frame and make applicable to the service.

7. Persons appointed to Grade IV of the General Cadre (Assistants) of the IFS(B) will be eligible for promotion to higher grades in accordance with the provisions contained in the Indian Foreign Service (Branch B) (Recruitment, Cadre, Seniority and Promotion) Rules, 1964.

NOTE : In accordance with the Indian Foreign Service (Recruitment Cadre, Seniority and Promotion) Rules, 1964, a limited quota is available to officers in Grade I of the Indian

Foreign Service (B) for promotion to the Senior Scale of the Indian Foreign Service (A) in the scale of pay of Rs. 3200-100-3700-125-4700.

(ii) The Railway Board Secretariat Service.—The Railway Board Secretariat Service has at present 4 grades as follows :

1. Selection Grade (Deputy Secretary or Equivalent) Rs. 3700-125-4700-150-5000.
2. Grade I (Under Secretary or equivalent) Rs. 3000-100-3500-125-4500.
3. Section Officers Grade Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500.
4. Assistants Grade Rs. 1640-60-2600-EB-75-2900.

Persons recruited direct as Assistants will be on probation for a period of 2 years during which they will undergo such training and pass such departmental tests as may be prescribed by Government. Failure to show sufficient progress in the course of training or to pass the tests may result in the discharge of the probationer from service.

On conclusion of the period of probation the Government may confirm the probationer in his appointment or, if his work or conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory, he may either be discharged from the service or his period of probation may be extended for such further period as Government may think fit.

Persons recruited to Assistants' Grade of the Service will be eligible for promotion to the next higher grade in accordance with the rules in force from time to time in this behalf.

The Railways Board Secretariat Service is confined to the Department of Railways and Staff are not liable to transfer to other Ministries as in the case of the Central Secretariat Service.

Officers of the Railways Board Secretariat Service recruited under these rules :—

- (i) will be eligible for pensionary benefits; and
- (ii) shall subscribe to the non-contributory State Railway Provident Fund under the rules of that fund as are applicable to Railway servants appointed on the date they joined the service.

The candidates appointed to the Railway Board Secretariat Service will be entitled to the privilege of passage and privilege ticket orders in accordance with the orders issued by the Railway Board from time to time.

As regards leave and other conditions of service, staff including in the Railway Board Secretariat Service are treated in the same way as other Railway staff but in the matter of medical facilities they will be governed by rules applicable to other Central Government employees with headquarters at New Delhi.

(iii) Central Secretariat Service.—The Central Secretariat Service has at present four grades as follows :—

- (1) Selection Grade (Deputy Secretary or equivalent) Rs. 3700-125-4700-150-5000.
- (2) Grade I (Under Secretary or equivalent) Rs. 3000-100-3500-125-4500.
- (3) Section Officers Grade Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500.
- (4) Assistants Grade Rs. 1640-60-2600-EB-75-2900.

(2) Person recruited direct as Assistants will be on probation for a period of two years during which they will undergo such training and pass such departmental tests as may be prescribed by Government. Failure to show sufficient progress in the course of training or to pass the tests may result in the discharge of the probationer from service.

(3) On conclusion of the period of probation the Government may confirm the probationer in his appointment or, if his work or conduct has in the opinion of the Government been unsatisfactory he may either be discharged from service or his period of probation may be extended for such further period as Government may think fit.

(4) Assistants recruited to the Central Secretariat Service will be posted to one of the Ministries or Offices participating in the Central Secretariat Service. They may, however, at any time be transferred to any other such Ministry or Office.

(5) Assistants will be eligible for promotion to higher grades in accordance with the rules in force from time to time in this behalf.

(6) Persons appointed to the Assistants Grade of the Central Secretariat Service in pursuance of their opinion for that Service will not, after such appointment have any claim for transfer or appointment to any post included in any other cadre.

(iv) The Armed Forces Headquarters Civil Service.—The Armed Force Headquarters Civil Service has at present five grades as follows :—

Grade	Scale of Pay
(1) Director	Rs. 4500-150-5700
(2) Selection Grade (Joint Director or Senior Civilian Staff Officer) Group A	Rs. 3700-125-4700-150-5000
(3) Civilian Staff Officer (Group A)	Rs. 3000-100-3500-125-4500
(4) Assistants Civilian Staff Officer (Group B Gazetted)	Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500
(5) Assistants	Rs. 1640-60-2600-EB-75-2900

(2) Persons recruited direct as Assistant will be on probation for a period of two years during which they will undergo such training and pass such departmental tests as may be prescribed by Government. Failure to show sufficient progress in the course of training or to pass the tests may result in the discharge of the probationer from service.

(3) On conclusion of the period of probation, the Government may confirm the probationer in his appointment or if his work or conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory he may be either discharged from the service or his period of probation may be extended for such further period as Government may think fit.

(4) Assistants recruited to the AFHQ Civil Service will be posted to one of the Service Headquarters or Inter Service Organizations, participating in the AFHQ Civil Service Scheme. They may, however, at any time be transferred to any other such Headquarters or office.

(5) Assistants will be eligible for promotion to higher grades in accordance with the rules in force from time to time in this behalf.

(6) Persons appointed to the Assistant Grade of the Armed Forces Headquarters Civil Service will not, after such appointment have any claim for transfer or appointment to post not included in that service.

